सत्यमेव जयते

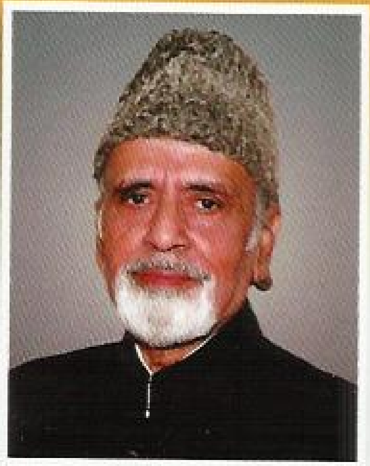

63वें
गणतंत्र दिवस

के अवसर पर

डॉ. सैयद अहमद

महामहिम राज्यपाल, झारखण्ड

का

अभिभाषण

राँची, 26 जनवरी 2012

प्यारे झारखंडवासियों,

जोहार !

जम्हूरियत के इस अहम मौके पर मैं आप सभी का इस्तकबाल करता हूँ, दिली मुबारकबाद देता हूँ। इस मौके पर मैं राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेदकर, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, शहीदे आज़म भगत सिंह आदि जैसे और दूसरे महान विभूतियों के साथ झारखण्ड के महान सपूतों अमर शहीद बिरसा मुंडा, तिलका माँझी, सिदो–कान्हो, नीलाबंर–पितांबर, चाँद–भैरव, शेख भिखारी तथा झारखण्ड के सभी गुमनाम शहीदों के लिए भी ख़िराजे अकीदत पेश करता हूँ, उन्हें नमन करता हूँ।

इस तारीखी मौके पर मैं परमवीर चक्र विजेता लांसनायक अल्बर्ट एक्का, कारगिल जंग के अमर शहीद नागेश्वर महतो समेत उन सभी बहादुर जवानों के लिए भी ख़िराजे अकीदत पेश करता हूँ, जिन्होंने अपने वतन व मुल्क की आज़ादी को बरकरार रखने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की और मुल्क की अखंडता और एकता की हिफाज़त के लिए अपने को कुर्बान कर दिया।

हम विश्व के सबसे बड़े व पुराने जम्हूरी देश के वासी हैं, ये हम सभी देशवासी के लिए फ़ख्र की बात है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने सन् 1922 में कहा था कि भारत के लिए भारत के लोग ही संविधान बनायेंगे और ऐसा ही हुआ। उनका सपना था कि हमारा देश ऐसा हो, जिसमें जाति, धर्म, फिरका और तबका का भेद–भाव न हो और न ही सामाजिक

असमानता हो। एकता हो, मोहब्बत और प्रेम के जज़्बे से भरपूर हो, जिसमें राष्ट्रहित तथा देश की भलाई हो।

प्रिय राज्यवासियों, देश की आज़ादी के वक्त देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि ''**अभी हमें मीलों चलना है।**'' यह संकल्प हमें भी लेना होगा कि पूरे जोश और विश्वास के साथ, सबको साथ लेकर, तेजी से आगे बढ़ना है, जिसमें हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कुराहट हो, सबकी आशाएँ पूरी हों, गरीबी रेखा से नीचे रह रहे लोग सम्मानपूर्वक जिन्दगी जी सकें और पिछड़ी जाति, अनुसूचित–जाति, अनुसूचित–जनजाति, महिलाओं तथा अल्पसंख्यकों का समुचित विकास हो। मेरे विचार से विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जिसमें तरक्की का लाभ हर स्तर पर, समाज के सभी तबके को मिल सके, विशेष रूप से समाज के जो वर्ग विकास की दौड़ में पीछे छूट गये हैं, उन्हें भी अपने साथ लेकर हमें आगे बढ़ना होगा।

भाईयों और बहनों, हम अपने गणतंत्र की उपलबिधयों पर गौर करें, तो भारत ने सभी मैदानों में तरक्की की है एवं अपनी चमक बिखेरी है। विज्ञान, तकनीक, कृषि उपकरण, परिवहन और आई. टी. में भारत ने कई रिकार्ड कायम किये हैं और दुनिया में अपनी पहचान बनाई है, अपनी सलाहियत का लोहा मनवाया है। इन उपलब्धियों पर पूरे देश को फख्र है। हमारे राज्य ने भी इसमें महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई है, लेकिन आज भी हमारे सामने शिक्षा, स्वास्थ्य, कार्य–संस्कृति का विकास और गरीबों के उत्थान जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर हमें अभी बहुत काम करना है। सबको रोजगार, बच्चों और गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य का पूरा इंतजाम और गाँवों के विकास जैसे कुछ बुनियादी मुद्दे हैं, जिसके लिए हमेशा तैयार रह कर काम करना होगा।

मेरे अज़ीज़ झारखण्डवासियों, हमारे सूबे की स्थापना सन् 2000 में हुई थी, लेकिन हमारे महान विभूतियों ने जिस तरक्कीयाफ़्ता समाज का ख़्वाब देखा था, उस राह में हमें अभी बहुत ही आगे जाने की ज़रूरत है। हमारे सूबे को कुदरत ने खूब नेमतें बख़्शी हैं। हमारे राज्य में देश की चालीस फीसदी से ज्यादा खनिज की दौलत मौजूद है, अगर सही योजना से अपनी विकास की राह पर तेजी से मिल–जुल कर हम आगे बढ़ें, तो न सिर्फ हमारे सूबे की तरक्की होगी, बल्कि हमारे मुल्क की भी तरक्की होगी।

सूबे में बेशुमार खनिज सम्पदा मौजूद है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना है कि सूबे के लगभग 70 फीसदी आबादी अभी भी कृषि कार्य से जुड़े हैं। हम अपनी जरूरत का आधा ही अनाज उगा पाते हैं, इसलिए अनाज की पैदावार बढ़े एवं किसानों की हालत में सुधार हो, इस तरफ ख़ास ध्यान देने की ज़रूरत है। हालांकि इस दिशा में सरकार द्वारा **'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना'** के ज़रिये राज्य के 17 जिलों में दलहन की पैदावार में बढ़ोत्तरी के लिए प्रोग्राम चलाया जा रहा है। साथ ही, रब्बी फसल के लिए किसानों को बीज मुहैया कराया जा चुका है। उन्हें सिंचाई की उचित सहूलियत मिले, इसके लिए भी पूरी कोशिश करनी होगी। यह कहते हुए मुझे खुशी हो रही है कि दूध के मामले में हमने काफी हद तक क़ामयाबी हासिल की है। राज्य के आम लोगों की भूख से मौत न हो, इसके लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार की कई योजनाएँ जैसे– अन्त्योदय योजना, अन्नपूर्णा योजना आदि के तहत लोगों को अनाज मुहैया कराया जा रहा है।

प्यारे झारखण्डवासियों ! शिक्षा विकास की कुँजी होती है, यह इन्सान की बुनयादी ज़रूरत है। किसी भी मुल्क को यदि ताक़तवर होना है, तो उसे अपनी यूथ पावर को एजुकेटेड

बनाने की शर्त को पूरा करना होगा। इसलिए राज्य में शिक्षा (हायर एजुकेशन सहित) की तरक्की के लिए बेहतर कोशिश करने की ज़रूरत है। हायर एजुकेशन के तहत राज्य में मौजूद यूनिवर्सिटियों और इन यूनिवर्सिटियों के तहत चलने वाले कॉलेजों को बेहतर बनाने की ज़रूरत है। इसके साथ ही, राज्य में क़ायम किये गये लॉ यूनिवर्सिटी एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी को क़ारगर करने के लिए भी कोशिश करनी होगी। चतरा, सरायकेला–खरसावां एवं लातेहार जिले में एक–एक मॉडल कॉलेज की स्थापना जल्द हो, इसके लिए पूरी कोशिश करनी होगी। ग्लोब्लाइजेशन के इस दौर में लोगों को रोजगार देनेवाली तालीम को बढ़ावा देने के लिए ऐसी योजनाएँ बनाने की जरूरत है, जिससे हमारे नौजवान दुनिया की चुनौतियों के मुताबिक राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सतह पर अपनी जगह बना सकें। शिक्षा उनके लिए केवल नौकरी हासिल करने का ही ज़रिया न बनकर स्वावलंबी बनने का ज़रिया भी बने।

झारखंडवासियों ! हमारे राज्य में लड़कियों की तालीमी दिशा में ख़ास ध्यान देने की ज़रूरत है। लड़कियों के लिए तालीम की अहमियत इससे ही समझी जा सकती है कि कहा गया है कि– **''एक महिला को शिक्षित कर पूरे परिवार को शिक्षित किया जा सकता है।''** महिलाओं में शिक्षा के व्यापक विस्तार से ही हमारे देश एवं राज्य में फैली अंधविश्वास एवं सामाजिक बुराईयां भी खत्म हो सकती हैं। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि **''महिलाओं की हालात में सुधार लाये बिना समाज व देश का कल्याण असंभव है, ठीक उसी प्रकार जिस तरह एक पंख से उड़ान भरना है।''**

राज्य के हरेक शख़्स को बिजली मुहैया कराने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार कोशिश कर रही है। मौजूदा राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना के तहत राज्य के 24 जिलों के लिए तय

किये गये टारगेट 19,223 के मुकाबले 12315 गाँवों को बिजली पहुँचा दिया गया है।

सड़कें विकास की पहचान होती हैं। इसलिए राज्य में सड़क बनाने की दिशा में तेजी लानी होगी, साथ ही यह भी देखने की ज़रूरत है कि सड़कों की क्वालिटी बेहतर हो। राजधानी राँची समेत दूसरे शहरों की ट्रैफिक सिस्टम को दुरूस्त करने के लिए शहर में कई फ्लाई ओवर बनाने की ज़रूरत है। मनरेगा वगैरह जैसे केन्द्र व राज्य सरकार के जरिये की जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों को मिले, इस ओर सरकार को और ज्यादा तवज्ज़ो देने की ज़रूरत है। मौजूदा मनरेगा मजदूरों को अपने पंचायत में ही मजदूरी के अदायगी की सहूलियत हासिल हों, इसके लिए सभी पंचायत कार्यालय में पंचायत बैंक भी कायम करना होगा। मनरेगा के सभी रजिस्टर्ड मजदूरों को **'राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना'** का लाभ मिले, इसके लिए काशिशें करनी होंगी।

सूबे में साल 2012 बिटिया वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। **'बिटिया वर्ष एवं बचपन बचाओ'** योजना दरअसल हमारे समाज की बच्चियों और छोटे बच्चों को बेहतर जिन्दगी मिल सके, इसके लिए एक कोशिश है। सूबे में लड़कियों के लिए **'मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना'**, **'किशोरी स्वास्थ्य स्वच्छता प्रोग्राम'** और **'सबला योजना'** की शुरूआत की गई है। इसके साथ ही, **'मुख्यमंत्री कन्यादान योजना'** के तहत मुहैया करायी जा रही आर्थिक सहायता राशि में बढ़ोत्तरी की गयी है।

मेरे प्यारे राज्यवासियों, खनिज सम्पदा से भरपूर झारखंड राज्य में उद्योगों के विकास की असीम संभावनाएँ हैं। किसी भी मुल्क अथवा सूबे की तरक्की में वहाँ कायम उद्योगों की

भूमिका महत्वपूर्ण होती है, चाहे वह बड़े उद्योग–धंधे हों या कुटीर उद्योग या फिर छोटे उद्योग। ग्लोब्लाइजेशन के इस दौर में इसकी अहमियत और भी बढ़ गई है। इसलिए सूबे में ज्यादा–से–ज्यादा उद्योग–धंधे कायम हों, इसके लिए बेहतर कोशिश करने की ज़रूरत है। आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरु के दौर में देश में कई बड़े उद्योग कायम किये गये, क्योंकि पंडित नेहरू जानते थे कि इसके बिना देश का चौतरफा विकास मुमकिन नहीं है। उद्योगों की कयाम से रोजगार के नये अवसर हासिल होंगे, जिससे विस्थापन व पलायन की समस्या का भी बहुत हद तक समाधान किया जा सकता है।

सूबे में 32 साल बाद पंचायत चुनाव हुआ। इसमें 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएँ चुनी गई हैं, जो एक बड़ी कामयाबी है। सूचना क्रांति और ई–शासन के तहत प्रज्ञा केन्द्र के जरिये आम जनता की जरूरतों को पूरा करने की काशिश की जा ही है। साथ ही, आवाम की सहुलियत के लिए राईट–टू–सर्विस एक्ट लागू किया गया है।

झारखण्ड के नौजवानों में खेल की कुदरती सलाहियत मौजूद है। इसकी झलक हम 34वें राष्ट्रीय खेल के दौरान देख चुके हैं। गाँव के लोगों को खेल सलाहियतों का पूरा मौका मिल सके, इसके लिए योजनाओं को तेजी से अमल में लायें। पाईका योजना के तहत ज्यादा–से–ज्यादा पंचायतों में **'पाईका खेल क्लब'** खोलने की ज़रूरत है।

लोग बेखौफ़ माहौल में रहें, राज्य में अमन और भाईचारा हर हाल में कायम रहे, यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। लोगों को साफ–सुथरा और कारगर शासन मिले, इसके लिए बेहतर कोशिश करने की जरूरत है ।

राज्य के विकास के रास्ते में आज नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। राज्य से उग्रवाद को मिटाने के लिए हिफ़ाज़ती उपायों के साथ–साथ आम लोगों में भी बदलाव जरूरी है। मैं विकास की मुख्यधारा से भटके हुए युवकों से अपील करता हूँ कि वें हिंसा का मार्ग छोड़ शांति एवं भाईचारे की राह अपनायें, इसी में उनका एवं राज्य का भला है।

मैं मानता हूँ कि राज्य के विकास के लिए बहुत काम करने होंगे। विकास और आवाम के कल्याण की योजनाओं को तेजी से लागू करने की कोशिशें होंगी, जिससे हमारे सूबे की गिनती तरक्कीयाफ़्ता सूबों की कतार में हो सके।

प्यारे राज्यवासियों ! आज का दिन आत्ममंथन का है, हम सभी आज यह शपथ लें कि हम अपने सूबे को कामयाबी की उस मंजिल तक ले जायें कि हर मुल्क यह सोचे कि हमारी तरक्की का राज क्या है, इसके लिए हमें एकजुट होकर कंधे–से–कंधा मिलाकर चलना होगा। अपने रास्ते खुद बनाने होंगे और अपनी मंजिलें तय करनी होंगी। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेदकर ने कहा था– कोई भी मुल्क़ किसी लिखी हुई क़िताब या क़ानून से आगे नहीं बढ़ सकता, बल्कि उसे आगे बढ़ने के लिए अच्छे और मजबूत इरादों वाले लोगों की ज़रूरत होती है। यही बात स्व. इंदिरा गाँधी और स्व. राजीव गाँधी जैसे महान हस्तियों ने भी कही।

प्यारे भाईयों एवं बहनों ! आज हमारा मुल्क दुनिया के उन चंद मुल्कों में शुमार किया जाता है, जो दुनिया को राह दिखा रहे हैं। पूरी दुनिया हमारी तरफ देख रही है। हमारे नौजवान इंजीनियर, डॉक्टर और साइंटिस्ट पूरी दुनिया में धूम मचा रहे हैं। चाहे खेल का मैदान हो या

साइंस की लेबोट्री का, हम कहीं भी पीछे नहीं हैं। लेकिन आगे बढ़ने के बावजूद हममें जो ख़ास बात है कि हम अपनी रिवायत और विरासतों से बंधे हैं। यही वज़ह है कि हम अपनी राह से कभी भटकते नहीं हैं। आज इस पाक मौके पर हम शपथ लें कि हम ऐसे इंसान बनेंगे, जो न सिर्फ खुद और परिवार के लिए सोचे, बल्कि समाज, सूबे और मुल्क की तरक्की के बारे में भी सोचे। अगर ऐसा करेंगे, तो फिर हमें दुनिया का ताज बनने से कोई रोक नहीं सकता।

आखिर में मैं एक बार फिर आप सभी को गणतंत्र दिवस के इस पाक मौके पर मुबारकबाद देता हूँ।

जय हिन्द ! **जय झारखण्ड !!**